कृषक ज्योति

कृषक ज्योति
Krishak Jyoti

भाग -1, अंक 2 जनवरी-2026

त्रैमासिक पत्रिका

संपादक - मंडल

डॉ. राजेंद्र प्रसाद

मुख्य संपादक

ediotorinchief@krishakjyoti.in

प्रोफेसर, उद्यान विज्ञान विभाग,
कुलभास्कर आश्रम PG कॉलेज
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

सौम्या तिवारी

संपादक

editor@krishakjyoti.in

प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा उत्तर प्रदेश
राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,
प्रयागराज

डॉ अनुराग रजनीकांत तायडे

संपादक

editor@krishakjyoti.in

सहायक प्रोफेसर कीट विज्ञान विभाग,
शुआट्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

डॉ. अमित कुमार

संपादक

editor@krishakjyoti.in

सहायक प्रोफेसर कृषि अर्थशास्त्र विभाग,
SHUATS, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

निखिल तिवारी श्रीदत्त

सह-संपादक

coeditor@krishakjyoti.in

टीचिंग एसोसिएट कृषि विस्तार एवं संचार
विभाग, शुआट्स,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

प्रकाशक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

पत्रिका का प्रकार - हिंदी, त्रैमासिक पत्रिका, कृषि पत्रिका

पंजीकृत कार्यालय - 4/4सी, म्योर रोड, इलाहाबाद, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश -211002

Website - www.krishakjyoti.in

E-mail - editorinchief@krishakjyoti.in

Contact - 9450681433

e-ISSN No. 3108-1770

खेत की मेड़ में लाखों की कमाई

पॉपलर(चिनार) की वैज्ञानिक खेती

आलोक तिवारी, आदर्श तिवारी एवं डॉ. भास्कर दुबे

प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, नैनी, प्रयागराज (यू.पी.)

talok1914@gmail.com

पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए वनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा को नियंत्रित करने के लिए वनों का विस्तार तथा उनका संरक्षण बहुत जरूरी है, कृषि वानिकी पद्धति द्वारा ज्यादा से ज्यादा किसानों को वृक्ष लगाने में भागीदार बनाकर वन वृक्षों का विस्तार किया जा सकता है। बढ़ती जनसंख्या व घटते वन संसाधनों के कारण आज कृषि वानिकी का महत्व और भी बढ़ गया है।

आज की दौर में खेती केवल पारंपरिक फसलों (गेहूं धान) तक सीमित नहीं रह गई है किसान अब कृषि वनिकी अपनाकर अपनी आय को दोगुना _तीगुना कर रहे हैं इस बदलाव में सबसे बड़ा योगदान पॉपलर के पेड़ों का है। अगर आप अपने खेतों के किनारो (मेड) का सही इस्तेमाल करना चाहते हैं तो पॉपलर आपके लिए 'सफेद सोना' साबित हो सकता है।

पॉपलर एक सीधा तथा तेजी से बढ़ने वाला पतझड़ी वृक्ष है साहित्यिक भाषा में इसे चिनार के नाम से जाना जाता है इस रफ्तार के राजा के नाम से भी जाना जाता है। भारत में पॉपलर साल 1950 में अमेरिका से लाया गया था। भारत में पॉपलर की खेती मुख्यतः उत्तर पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में (उत्तर प्रदेश हरियाणा उत्तराखंड हिमाचल प्रदेश जम्मू कश्मीर अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल) में होती है पॉपलर की लकड़ी हल्की सफ़ेद मुलायम होती है जो माचिस की तिलिया प्लाईवुड पेपर पल्प पैकेजिंग बॉक्स और खेल के समान बनाने में व्यापक रूप इस्तेमाल किया जाता है यह वृक्ष 5 से 8 साल में 80 से 100 फीट ऊंचा और 18 से 24 इंच ब्यास तक पहुंच जाता है।

मेंड़ पर लगाने के फायदे

अक्सर किसान खेत की मेंड़ को खाली छोड़ देते हैं लेकिन वहां पॉपलर लगाने के कई लाभ हैं

- अतिरिक्त आय : मुख्य फसल के साथ आपको 4 से 6 साल बाद एकमुश्त बड़ी रकम मिलती है।
- मुख्य फसल पर न्यूनतम प्रभाव (छाया कम पड़ती है)।
- मेड मजबूत होती है कटाव रुकता है विंडब्रेक का काम करता है।
- कोई अलग से जमीन, खाद, सिंचाई, की आवश्यकता नहीं होती है।

- पर्यावरण संरक्षण + कार्बन क्रेडिट का लाभ भी संभव।
- सरकारी योजनाओं का लाभ :कई राज्य सरकार किसानों को पॉपलर के पौधे सब्सिडी पर उपलब्ध कराती हैं और इसके अलावा राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति के तहत किसानों को प्रोत्साहन भी दिया जाता है।

पॉपलर लगाने का सही तरीका और समय

- पॉपलर की खेती के लिए वैज्ञानिक तरीका अपनाना जरूरी है ताकि पेड़ की मोटाई अच्छी मिले।
- **सही समय :** जनवरी के मध्य से फरवरी के अंत तक एक इस महीने इसकी कलम लगाने से जल्दी पड़ती है।
- **तापमान :** 5 सेल्सियस से 45 सेल्सियस के बीच यह ठंडी और नम जलवायु में बेहतर पनपता है।
- **दूरी** : दो पौधे के बीच 10 से 12 फीट की दूरी होनी चाहिए और कतारों के बीच 5 मी का अंतर (5m* 4m या 6m*2m) सर्वोत्तम है।

मिट्टी और पानी:

- यह उपजाऊ दोमट मिट्टी में सबसे अच्छा फलता है,ध्यान रहे की जल भराव वाली जमीन इसके लिए उपयुक्त नहीं है. लेकिन शुरुआती वर्ष में नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है।
- **मिट्टी का PH 5.8- 8.5 होना चाहिए।**

प्रसिद्ध किस्में :

G 48 ,W22, UDAI, W32,W39,A26,S7,C15,S8,

जमीन की तैयारी:

यदि आप मेंड़ पर न लगाकर समतल भूमि में लगा रहे हैं तो मिट्टी के भुरभुरा होने तक खेत की दो-तीन बार जुताई करें। यदि जिंक की कमी हो तो खेत की तैयारी के समय जिंक सल्फेट 10 किलो प्रति प्रति एकड़ में डालें।

- **बीज की गहराई** : रोपाई के लिए एक मीटर गड्ढा खोदे और पौधे को इसी गड्ढे में लगाएं। मिट्टी में गोबर की खाद 3-5 किलो , म्यूरेट आफ पोटाश 25-50 ग्राम, और सिंगल सुपर फास्फेट 100 ग्राम मिलाए।
- **बीज उपचार:** नए पौधे को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए रोपाई से पहले नए पौधों को फंफूदनासी से उपचार करना चाहिए। नए पौधे को क्लोरोपीयरीफास 250 मिली. को 100 लीटर पानी से 10 से 15 मिनट के लिए उपचार करें, इसके बाद नए पौधे को एमीसान - 6 , 200 ग्राम को 100 लीटर पानी में 20 मिनट तक डालें।

खाद प्रबंधन:

- **पहले साल** - FYM -8kg, यूरिया + सिंगल सुपर फास्फेट 50 ग्राम
- **दूसरे साल** - FYM -10kg, यूरिया + सिंगल सुपर फास्फेट 80 ग्राम
- **तीसरे साल** - FYM -12kg, यूरिया + सिंगल सुपर फास्फेट 150 ग्राम
- **चौथे साल और उसके आगे** - FYM -15kg, यूरिया + सिंगल सुपर फास्फेट 200 ग्राम।

रोग एवं कीट प्रबंधन:

पॉपलर में कुछ सामान्य समस्याएं आ सकती हैं।

- **पत्ती का धब्बा रोग-** इसके बचाव के लिए मैंककोजैब (2g/लिटर पानी) का छिड़काव करें।
- **तना छेदक कीट:** क्लोरोपीयरीफ़ास का घोल बनाकर तने पर लगाए
- **पत्ती खाने वाले कीट:** नीम आधारित कीटनाशक का उपयोग प्रभावशाली रहता है और पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित है।
- **दीमक :** क्लोरोपारीफोस 2 से 5 लीटर प्रति एकड़ में डालें।

उपज

अंतर वर्गीय फसले

पॉपलर की यह खासियत है कि यह पौधा पतझड़ होने पर दिसंबर से मार्च - अप्रैल के महीना तक पत्तियों को गिरा देता है, इसलिए गेहूं, जौ, बरसींम, मटर, आलू, सरसों, गोभी, टमाटर, बैगन, और मिर्च वगैरा की फसलें पॉपलर के नीचे आसानी से

e-ISSN No. 3108-1770

उगाई जा सकती हैं। खरीफ की फसलों में मक्का, ज्वार, अरहर, उड़द, मूंग, और सूरजमुखी शुरू के 3 सालों तक आसानी से उगाई जा सकती हैं। जायद में लौकी, टिंडा, टमाटर, खीरा, ककड़ी और खरबूजे की खेती की जा सकती है। चार-पांच साल पुराने पॉपलर के नीचे हल्दी, अदरक, पुदीना, और छाया में पनपने वाली फसलें उगा सकते हैं।

आमदनी:

वर्तमान समय में पॉपलर के एक विकसित पेड़ का मूल्य 5000 से ₹7000 के लगभग है (1200 से 1500 प्रति कुंतल), एक एकड़ में 200-250 के लगभग पौधे लगाते हैं, जो 5 वर्षों बाद 7 से 8 लाख का एकमुस्त आमदनी देगा।

कुल निवेश:

20 से ₹40 हजार रुपए
(पौधे + देखभाल)।

निष्कर्ष :

- ✓ मेंड़ को मत छोड़िए।
- ✓ खेत की मेंड़ अब तक आपके लिए सीमा रेखा रही होगी। लेकिन अब वक्त आ गया है, कि इस खाली जमीन को मुनाफे वाली भूमि में बदले।
- ✓ पॉपलर प्लांटेशन एक ऐसा निवेश है, जिसमें मेहनत कम है लागत सीमित और मुनाफा भरपूर है। यह आपकी मुख्य खेती को नुकसान पहुचाए बिना एक मजबूत अतिरिक्त आय का स्रोत बन सकता है।
- ✓ जब आप अगली बार अपने खेत की मेंड़ देखें तो उसे बेकार मत समझिए बल्कि उसमें अपने अगले 5 से 7 साल तक समृद्धि की नींव देखिए।
- ✓ सफल किसानों की सलाह ले, और प्रमाणित पौधे चुने कृषि वानिकी से खेती को नया आयाम दे क्योंकि अब खेत की मेंड़ भी सोना उगने लगी है।